आयुष विवि और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के बीच हुआ करार

आयुष मॉडर्न मेडिसिन के समानांतर होगा

- आयुष के प्रति जनजागरण और आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध की सभी संभावनाओं पर ही होंगे साझा कार्य
- पूर्वी उत्तर प्रदेश को औषधीय खेती का बड़ा केंद्र बनाने पर भी एमओयू पर हस्ताक्षर

अनुबंध

गोरखपुर, मुख्य संवाददाता। आयुर्वेद समेत समूचे आयुष पद्धति को मॉडर्न मेडिसिन के समानांतर खड़ा करने के मजबूत प्रयास के तहत महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्यधाम के बीच कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गुरुवार को एमओयू हस्ताक्षरित व हस्तांतरित हुआ। दोनों विश्वविद्यालय आयुर्वेद के सभी क्षेत्रों में शोध की सभी संभावनाओं को आगे बढ़ाने के साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश को औषधीय खेती का बड़ा केंद्र बनाएंगे।

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विवि के कुलपति प्रो एके सिंह और महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ।

गुरुवार को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह और महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्यधाम के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी के बीच एमओयू का आदान प्रदान हुआ। इसके पहले महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलसचिव प्रदीप राव एवं आयुष विवि के कुलसचिव राधेश्याम बहादुर सिंह ने एमओयू हस्ताक्षरित किए। दोनों विवि मिलकर गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश में आयुर्वेद समेत आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रति जनजागरण का अभियान चलाएंगे। आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध व अनुसंधान से समाज को हानिरहित चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने का यत्न करेंगे। दोनों विवि ने औषधीय खेती को बढ़ावा देने के प्रति भी साझी प्रतिबद्धता दर्शायी। आयुष विवि के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि इस करार से गोरखपुर को केंद्र में रख कर पूर्वी उत्तर प्रदेश आयुर्वेद और आयुष का हब बनाने की तैयारी और सुदृढ़ हुई है। महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्यधाम के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह पहल आयुर्वेद को मॉडर्न मेडिसिन के समानांतर खड़ा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

औषधीय खेती का बड़ा केन्द्र बनेगा पूर्वी उ.प्र.

महायोगी गुरू गोरक्षनाथ आयुष वि.वि. और महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्य धाम के बीच एमओयू हस्ताक्षरित

गोरखपुर, २६ मई। आयुष और आयुर्वेद का हब बनने की दिशा में गोरखपुर गुरुवार को और आगे बढ़ गया। आयुर्वेद समेत समूचे आयुष पद्धति को मॉडर्न मेडिसिन के समानांतर खड़ा करने के मजबूत प्रयास के तहत महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के बीच कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर एमओयू हस्ताक्षरित व हस्तांतरित हुआ। इस करार के अनुसार दोनों विश्वविद्यालय आयुर्वेद के सभी क्षेत्रों में शोध की सभी संभावनाओं को आगे बढ़ाने के साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश को औषधीय खेती का बड़ा केंद्र बनाएंगे। गुरुवार को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के कुलपति मेजर जनरल डॉण् अतुल वाजपेयी के बीच एमओयू का आदान प्रदान हुआ। इसके पहले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रदीप राव व आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव राधेश्याम बहादुर सिंह ने एमओयू हस्ताक्षरित किए। एमओयू के अनुसार दोनों विश्वविद्यालय मिलकर गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश में आयुर्वेद समेत आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रति जनजागरण का अभियान चलाएंगे। साथ ही आयुर्वेद के क्षेत्र में हर उस संभावना पर ध्यान दिया जाएगा जिस पर शोध व अनुसंधान से समाज को हानिरहित चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई जा सके। दोनों विश्वविद्यालयों ने औषधीय खेती को बढ़ावा देने के प्रति भी साझी प्रतिबद्धता दर्शायी। इस अवसर पर आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोण् एके सिंह ने कहा कि आज हुए करार से गोरखपुर को केंद्र में रखकर पूर्वी उत्तर प्रदेश आयुर्वेद और आयुष का हब बनाने की तैयारी और सुदृढ़ हुई है। आयुर्वेद की समृद्धि से औषधीय खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। औषधीय खेती किसानों की आय को विस्तारित करेगी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के कुलपति मेजर जनरल डॉण् अतुल वाजपेयी ने कहा कि आज हस्ताक्षरित और हस्तांतरित हुआ एमओयू आयुर्वेद को मॉडर्न मेडिसिन के समानांतर खड़ा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के कुलसचिव डॉ प्रदीप राव, आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव राधेश्याम बहादुर सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रोण् गणेश पाटिल, डॉ सुमित कुमार, डॉ दीपू मनोहर, डॉ. पियूष वर्षा, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ प्रिया नायर, डॉ. जसोबेन समेत दोनों विश्वविद्यालयों के विशिष्टजन मौजूद रहे।

गोरखपुर को आयुर्वेद का हब बनाने को मिलकर काम करेंगी दो यूनिवर्सिटी

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विवि और महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्यधाम के बीच हुआ करार

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। आयुष और आयुर्वेद का हब बनाने की दिशा में गोरखपुर में बृहस्पतिवार को एक और सार्थक पहल हुई है। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के बीच कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर एमओयू हस्ताक्षरित व हस्तांतरित हुआ।

इस करार के अनुसार दोनों विश्वविद्यालय आयुर्वेद के सभी क्षेत्रों में शोध की सभी संभावनाओं को आगे बढ़ाने के साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश को औषधीय खेती का बड़ा केंद्र बनाएंगे।

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। इसके पहले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रदीप राव व आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव राधेश्याम बहादुर सिंह ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू के अनुसार दोनों विश्वविद्यालय मिलकर गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश में आयुर्वेद समेत आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रति जनजागरण का अभियान चलाएंगे। साथ ही आयुर्वेद के क्षेत्र में हर उस संभावना पर ध्यान दिया जाएगा जिस पर शोध व अनुसंधान से समाज को हानिरहित चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई जा सके। दोनों विश्वविद्यालयों ने औषधीय खेती को बढ़ावा देने के प्रति भी साझी प्रतिबद्धता दर्शायी।

समझौता पत्र एक दूसरे को आदान प्रदान किया गया। संवाद

आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि आज हुए करार से गोरखपुर को केंद्र में रखकर पूर्वी उत्तर प्रदेश आयुर्वेद और आयुष का हब बनाने की तैयारी और सुदृढ़ हुई है। आयुर्वेद की समृद्धि से औषधीय खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। औषधीय खेती किसानों की आय को विस्तारित करेगी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह एमओयू आयुर्वेद को मॉडर्न मेडिसिन के समानांतर खड़ा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के कुलसचिव डॉ प्रदीप राव, आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव राधेश्याम बहादुर सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्वी यूपी में बढ़ेगी औषधीय खेती

आयुष विश्वविद्यालय व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के बीच हुआ करार

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्यधाम के बीच गुरुवार को करार हुआ। आयुष के विकास के लिए दोनों विश्वविद्यालय साथ चलेंगे। शोध व अध्ययन में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे और लोगों को जागरूक करेंगे। इसके साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में औषधीय खेती को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की गई है।

गुरुवार को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी के बीच समझौता पत्र का आदान- प्रदान हुआ। इसके पहले दोनों विश्वविद्यालयों के कुलसचिव क्रमशः राधेश्याम बहादुर सिंह व डा. प्रदीप राव ने करार पर हस्ताक्षर किया। प्रो. एके सिंह ने कहा कि आज हुए करार से पूर्वी उत्तर प्रदेश के आयुर्वेद और आयुष का हब बनाने की तैयारी और सुदृढ़ हुई है। आयुर्वेद की समृद्धि से औषधीय खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि आज हस्ताक्षरित और हस्तांतरित हुआ समझौता पत्र आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा के समानांतर खड़ा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रो. गणेश पाटिल, डा. सुमित कुमार, डा. दीपू मनोहर, डा. पियूष वर्षा, डा. प्रज्ञा सिंह, डा. प्रिया नायर, डा. जसोबेन समेत दोनों विश्वविद्यालयों के अनेक लोग उपस्थित थे।

समझौता पत्र के साथ गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी व आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ● जागरण